7. राजेन्द्र यादव द्वारा लिखित 'टूटना' कहानी की संवेदना और शिल्प पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

8. 'मधुआ' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

9. कहानी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए कहानी के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'गोदान कृषक जीवन का महाकाव्य है' इस कथन की मीमांसा करते हुए होरी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

11. 'समय सरगम' उपन्यास का प्रतिपाद्य लिखते हुए इसकी पात्र-योजना पर प्रकाश डालिए।

12. कहानी के तत्वों के आधार पर 'जिन्दगी व गुलाब' कहानी की समीक्षा कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) अकहानी

(ii) उपन्यास के तत्व

(iii) 'सिक्का बदल गया' का उद्देश्य

(iv) आँचलिक उपन्यास

MAHD–06

June – Examination 2024

M.A. (Final) Examination

हिन्दी साहित्य

(कथा-साहित्य)

Paper : MAHD-06

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश : यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी का पहला उपन्यास किसे माना है ?

(ii) उपन्यास की परिभाषा लिखिए।

(iii) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

(iv) 'गोदान' के प्रमुख स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।

(v) अज्ञेय के 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास का रचनाकाल बताइए।

(vi) "एक चिंतापूर्ण आलोक में आज पहले-पहल शराबी ने आँख खोलकर कोठरी में बिखरे हुए दारिद्रय की विभूति को देखा यह कथन किस कहानी से है ?"

(vii) 'मेरा दुश्मन' कहानी में पत्नी का चरित्र सबसे आकर्षक क्यों है ?

(viii) यशपाल का कौनसा उपन्यास देश विभाजन की त्रासदी पर आधारित है।

खण्ड—ब　　4×8=32

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

"राज्य में हाहाकार मचा हुआ था। प्रजा दिन दहाड़े लूटी जाती थी। कोई फरियाद सुनने वाला न था। देहातों की सारी दौलत लखनऊ में खिंची आती थी और वह वेश्याओं में भाड़ों में और विलासिता के अन्य अंगों की पूर्ति में उड़ जाती थी। अंग्रेज कम्पनी का ऋण दिन-दिन बढ़ता जाता था। कमली दिन-दिन भीगकर भारी होती जाती थी।"

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सुनन्दा जहाँ बैठी थी, वहाँ है। वह रोटी बना चुकी है। अंग्रेजी के कोयले उल्टे तवे से दबे हैं। माथे को उंगलियों पर टिकाकर वह बैठी है। बैठी-बैठी सूनी-सी देख रही है। सुन रही है कि उसके प्रति कालिन्दी चरण अपने मित्रों के साथ क्यों और क्या बात कर रहे हैं। उसे जोश का कारण समझ में नहीं आता। उत्साह उसके लिए अपरिचित है। वह उसके लिए कुछ दूर की वस्तु है, प्रहरवीय और मनोरम और हरियाली वह भारत माता की स्वतन्त्रता को समझना चाहती है, पर उसको न भारतमाता समझ में आती, न स्वतन्त्रता।

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"महाराज को साधारण लोग-बाग की तरह कोई साधारण बीमारी नहीं थी। देश-विदेश से आये हुए बड़े डॉक्टर भी उनकी बीमारी का नितन और उपचार करने में मुँह की खा गए थे। लोगों का विचार था कि चिकित्सा शास्त्र में इतिहास में ऐसा रोग अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राज रोग को कोई साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।"

5. 'पिता' कहानी की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए।

6. मनोवैज्ञानिक उपन्यास की दृष्टि से 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास की मीमांसा कीजिए।